Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

CUH chosen as Nodal Centre for ISRO 'START' program

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 19-05-2023**

हकेवि में स्थापित होगा इसरो स्टार्ट कार्यक्रम का नोडल केंद्र

महेंद्रगढ़ (नीरज कौशिक)। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी अवेयरनेस ट्रेनिंग (स्टार्ट) कार्यक्रम के लिए नोडल केंद्र स्थापित होने जा रहा है। विश्वविद्यालय में इस केंद्र ही स्थापना से भौतिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी के स्नातकोत्तर व अंतिम वर्ष के स्नातक विद्यार्थियों के लिए प्रारंभिक स्तर का यह ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम उपलब्ध होगा। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि ह्यस्टार्टह्य कार्यक्रम अवश्य ही अंतरिक्ष विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों के अध्ययन में मददगार होगा। इनमें खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी, हेलियोफिजिक्स और सूर्य-पृथ्वी परस्पर क्रिया, इंस्ट्रूमेंटेशन और एरोनॉमी प्रमुख रूप से शामिल हैं। यहां बता दें कि स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी अवेयरनेस ट्रेनिंग (स्टार्ट) कार्यक्रम भारतीय विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी में पेशेवर बनाने में सहयोग प्रदान करने हेतु जारी इसरो के प्रयासों का प्रमुख हिस्सा है। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी में परिचयात्मक स्तर का प्रशिक्षण प्रदान करना है, जिससे उन्हें क्षेत्र के विभिन्न पहलुओं, अनुसंधान के अवसरों और करियर विकल्पों का अवलोकन करने का मौका मिलता है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अंतरिक्ष विज्ञान की क्रॉस-डिसिप्लिनरी प्रकृति पर भी जोर देता है। जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को उनकी योग्यता के इस क्षेत्र में बेहतर प्रयोग की जानकारी मिलेगी। साथ ही साथ यह कार्यक्रम अंतरिक्ष विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में भविष्य के लिए पेशेवर युवाओं को तैयार करने का कार्य भी करेगा। विश्वविद्यालय में इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. जसवंत यादव ने बताया कि यह विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन व मार्गदर्शन व विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव के सहयोग व निर्देशन के परिणामस्वरूप मिली सफलता है, जिसके प्रभाव से विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को इसरो के इस प्रतिष्ठित प्रयास से जुड़ने का अवसर मिलने जा रहा है। डॉ. यादव ने बताया कि ह्यस्टार्टह्य प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान अन्वेषण कार्यक्रम और अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान के अवसरों पर आधारित विशेषज्ञ व्याख्यानों का भी आयोजन होगा। अवश्य ही इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान के विभिन्न पहलुओं का अवलोकन, विभिन्न भारतीय संस्थानों में चल रहे शोध कार्यों की जानकारी और विद्यार्थियो को उनकी योग्यताओं के आकलन और कौशल विकास में सहयोग मिलेगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 19-05-2023**

'स्टार्ट' दिखाएगा इसरो की राह

हकेंवि में स्थापित होगा इसरो स्टार्ट कार्यक्रम का नोडल केंद्र, ऑनलाइन प्रशिक्षण हो सकेगा उपलब्ध

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी अवेयरनेस ट्रेनिंग (स्टार्ट) कार्यक्रम के लिए नोडल केंद्र स्थापित किया जाएगा। विश्वविद्यालय में इस केंद्र की स्थापना से भौतिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी के स्नातकोत्तर व अंतिम वर्ष के स्नातक विद्यार्थियों के लिए प्रारंभिक स्तर का यह ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम उपलब्ध होगा।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि स्टार्ट कार्यक्रम अवश्य ही अंतरिक्ष विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों के अध्ययन में मददगार होगा। इनमें खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी, हेलियोफिजिक्स और सूर्य-पृथ्वी परस्पर क्रिया, इंस्ट्रूमेंटेशन और एरोनॉमी प्रमुख रूप से शामिल हैं। यहां बता दें कि स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी अवेयरनेस ट्रेनिंग (स्टार्ट) कार्यक्रम भारतीय विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी में पेशेवर बनाने में सहयोग प्रदान करने के लिए जारी इसरो के प्रयासों का प्रमुख हिस्सा है। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी में परिचयात्मक स्तर का प्रशिक्षण प्रदान करना है जिससे उन्हें क्षेत्र के विभिन्न पहलुओं, अनुसंधान के अवसरों और करियर विकल्पों का अवलोकन करने का मौका मिलता है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अंतरिक्ष विज्ञान की क्रॉस-डिसिप्लिनरी प्रकृति पर भी जोर देता है। जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को उनकी योग्यता के इस क्षेत्र में बेहतर प्रयोग की जानकारी मिलेगी। साथ ही साथ यह कार्यक्रम अंतरिक्ष विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में भविष्य के लिए पेशेवर युवाओं को तैयार करने का कार्य भी करेगा।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़। संवाद

स्टार्ट कार्यक्रम अवश्य ही अंतरिक्ष विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों के अध्ययन में मददगार होगा

विश्वविद्यालय में इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. जसवंत यादव ने बताया कि यह विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन व मार्गदर्शन व विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव के सहयोग व निर्देशन के परिणाम स्वरूप मिली सफलता है, जिसके प्रभाव से विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को इसरो के इस प्रतिष्ठित प्रयास से जुड़ने का अवसर मिलने जा रहा है। डॉ. यादव ने बताया कि स्टार्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान अन्वेषण कार्यक्रम और अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी में अनुसंधान के अवसरों पर आधारित विशेषज्ञ व्याख्यानों का भी आयोजन होगा। अवश्य ही इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान के विभिन्न पहलुओं का अवलोकन, विभिन्न भारतीय संस्थानों में चल रहे शोध कार्यों की जानकारी और विद्यार्थियों को उनकी योग्यताओं के आकलन और कौशल विकास में सहयोग मिलेगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 18-05-2023**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्थापित होगा इसरो स्टार्ट कार्यक्रम का नोडल केंद्र

अंतरिक्ष विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों के अध्ययन में मददगार होगा : प्रो. टंकेश्वर

महेंद्रगढ़ | हकेवि, महेंद्रगढ़ में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी अवेयरनेस ट्रेनिंग (स्टार्ट) कार्यक्रम के लिए नोडल केंद्र स्थापित होने जा रहा है। विश्वविद्यालय में इस केंद्र ही स्थापना से भौतिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी के स्नातकोत्तर व अंतिम वर्ष के स्नातक विद्यार्थियों के लिए प्रारंभिक स्तर का यह ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम उपलब्ध होगा।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि 'स्टार्ट' कार्यक्रम अवश्य ही अंतरिक्ष विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों के अध्ययन में मददगार होगा। इनमें खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी, हेलियोफिजिक्स और सूर्य- पृथ्वी परस्पर क्रिया, इंस्ट्रूमेंटेशन और एरोनॉमी प्रमुख रूप से शामिल हैं।

बता दें कि स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी अवेयरनेस ट्रेनिंग (स्टार्ट) कार्यक्रम भारतीय विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी में पेशेवर बनाने में सहयोग प्रदान करने हेतु जारी इसरो के प्रयासों का प्रमुख हिस्सा है। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी में परिचयात्मक स्तर का प्रशिक्षण प्रदान करना है। जिससे उन्हें क्षेत्र के विभिन्न पहलुओं, अनुसंधान के अवसरों और करियर विकल्पों का अवलोकन करने का मौका मिलता है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अंतरिक्ष विज्ञान की क्रॉस-डिसिप्लिनरी प्रकृति पर भी जोर देता है। जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को उनकी योग्यता के इस क्षेत्र में बेहतर प्रयोग की जानकारी मिलेगी। साथ ही साथ यह कार्यक्रम अंतरिक्ष विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में भविष्य के लिए पेशेवर युवाओं को तैयार करने का कार्य भी करेगा।

विश्वविद्यालय में इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. जसवंत यादव ने बताया कि यह विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन व मार्गदर्शन व विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव के सहयोग व निर्देशन के परिणामस्वरूप मिली सफलता है। जिसके प्रभाव से विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को इसरो के इस प्रतिष्ठित प्रयास से जुड़ने का अवसर मिलने जा रहा है। डॉ. यादव ने बताया कि 'स्टार्ट' प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान अन्वेषण कार्यक्रम और अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान के अवसरों पर आधारित विशेषज्ञ व्याख्यानों का भी आयोजन होगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 19-05-2023**

हकेंवि में स्थापित होगा इसरो के स्टार्ट कार्यक्रम का नोडल केंद्र

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा स्पेस साइंस एंड टेक्नोलाजी अवेयरनेस ट्रेनिंग (स्टार्ट) कार्यक्रम के लिए नोडल केंद्र स्थापित होने जा रहा है। विश्वविद्यालय में इस केंद्र ही स्थापना से भौतिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी के स्नातकोत्तर व अंतिम वर्ष के स्नातक विद्यार्थियों के लिए प्रारंभिक स्तर का यह आनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम उपलब्ध होगा। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि 'स्टार्ट' कार्यक्रम अवश्य ही अंतरिक्ष विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों के अध्ययन में मददगार होगा। इनमें खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी, हेलियोफिजिक्स और सूर्य-पृथ्वी परस्पर क्रिया, इंस्ट्रूमेंटेशन और एरोनामी प्रमुख रूप से शामिल हैं।

बता दें कि स्पेस साइंस एंड टेक्नोलाजी अवेयरनेस ट्रेनिंग (स्टार्ट) कार्यक्रम भारतीय विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी में पेशेवर बनाने में सहयोग प्रदान करने के लिए जारी इसरो के प्रयासों का प्रमुख हिस्सा है। कार्यक्रम का

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय भवन का दृश्य

उद्देश्य विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी में परिचयात्मक स्तर का प्रशिक्षण प्रदान करना है, जिससे उन्हें क्षेत्र के विभिन्न पहलुओं, अनुसंधान के अवसरों और करियर विकल्पों का अवलोकन करने का मौका मिलता है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अंतरिक्ष विज्ञान की क्रास-डिसिप्लिनरी प्रकृति पर भी जोर देता है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को उनकी योग्यता के इस क्षेत्र में बेहतर प्रयोग की जानकारी मिलेगी। साथ ही साथ यह कार्यक्रम अंतरिक्ष विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में भविष्य के लिए पेशेवर युवाओं को तैयार करने का कार्य भी करेगा।

विश्वविद्यालय में इस कार्यक्रम के समन्वयक डा. जसवंत यादव ने बताया कि यह विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन व मार्गदर्शन व विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव के सहयोग व निर्देशन के परिणामस्वरूप मिली सफलता है, जिसके प्रभाव से विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को इसरो के इस प्रतिष्ठित प्रयास से जुड़ने का अवसर मिलने जा रहा है। डा. यादव ने बताया कि 'स्टार्ट' प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान अन्वेषण कार्यक्रम और अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान के अवसरों पर आधारित विशेषज्ञ व्याख्यानों का भी आयोजन होगा। अवश्य ही इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान के विभिन्न पहलुओं का अवलोकन, विभिन्न भारतीय संस्थानों में चल रहे शोध कार्यों की जानकारी और विद्यार्थियों को उनकी योग्यताओं के आकलन और कौशल विकास में सहयोग मिलेगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 19-05-2023**

हकेंवि में स्थापित होगा इसरो स्टार्ट कार्यक्रम का नोडल केंद्र

विद्यार्थियों को योग्यताओं के आकलन और कौशल विकास में मिलेगा सहयोग

महेंद्रगढ़, 18 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा स्पेस साइंस एंड टैक्नोलॉजी अवेयरनैस ट्रेनिंग (स्टार्ट) कार्यक्रम के लिए नोडल केंद्र स्थापित होने जा रहा है। विश्वविद्यालय में इस केंद्र की स्थापना से भौतिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी के स्नातकोत्तर व अंतिम वर्ष के स्नातक विद्यार्थियों के लिए प्रारंभिक स्तर का यह ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम उपलब्ध होगा।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि 'स्टार्ट' कार्यक्रम अवश्य ही अंतरिक्ष विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों के अध्ययन में मददगार होगा। इनमें खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी, हेलियोफिजिक्स और सूर्य-पृथ्वी परस्पर क्रिया, इंस्ट्रूमैंटेशन और एरोनॉमी प्रमुख रूप से शामिल हैं।

यहां बता दें कि स्पेस साइंस एंड टैक्नोलॉजी अवेयरनैस ट्रेनिंग (स्टार्ट) कार्यक्रम भारतीय विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी में पेशेवर बनाने में सहयोग प्रदान करने हेतु जारी इसरो के प्रयासों का प्रमुख हिस्सा है।

विश्वविद्यालय में इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. जसवंत यादव ने बताया कि यह विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन व मार्गदर्शन व विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव के सहयोग व निर्देशन के परिणामस्वरूप मिली सफलता है, जिसके प्रभाव से विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को इसरो के इस प्रतिष्ठित प्रयास से जुड़ने का अवसर मिलने जा रहा है।

डॉ. यादव ने बताया कि 'स्टार्ट' प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान अन्वेषण कार्यक्रम और अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान के अवसरों पर आधारित विशेषज्ञ व्याख्यानों का भी आयोजन होगा। अवश्य ही इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान के विभिन्न पहलुओं का अवलोकन, विभिन्न भारतीय संस्थानों में चल रहे शोध कार्यों की जानकारी और विद्यार्थियों को उनकी योग्यताओं के आकलन और कौशल विकास में सहयोग मिलेगा।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी में परिचयात्मक स्तर का प्रशिक्षण प्रदान करना है, जिससे उन्हें क्षेत्र के विभिन्न पहलुओं, अनुसंधान के अवसरों और करियर विकल्पों का अवलोकन करने का मौका मिलता है।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अंतरिक्ष विज्ञान की क्रॉस-डिसिप्लिनरी प्रकृति पर भी जोर देता है, जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को उनकी योग्यता के इस क्षेत्र में बेहतर प्रयोग की जानकारी मिलेगी। साथ ही साथ यह कार्यक्रम अंतरिक्ष विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में भविष्य के लिए पेशेवर युवाओं को तैयार करने का कार्य भी करेगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 20-05-2023**

हकेंवि में स्थापित होगा इसरो स्टार्ट कार्यक्रम का नोडल केंद्र

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विवि में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी अवेयरनेस ट्रेनिंग (स्टार्ट) कार्यक्रम के लिए नोडल केंद्र स्थापित किया जाएगा। विवि में इस केंद्र की स्थापना से भौतिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी के स्नातकोत्तर व अंतिम वर्ष के स्नातक विद्यार्थियों के लिए प्रारंभिक स्तर का यह ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम उपलब्ध होगा। विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि स्टार्ट कार्यक्रम अवश्य ही अंतरिक्ष विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों के अध्ययन में मददगार होगा।

■ विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार बोले स्टार्ट कार्यक्रम अवश्य ही अंतरिक्ष विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों के अध्ययन में मददगार होगा

इनमें खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी, हेलियोफिजिक्स और सूर्य-पृथ्वी परस्पर क्रिया, इंस्ट्रूमेंटेशन और एरोनॉमी प्रमुख रूप से शामिल हैं।

स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी अवेयरनेस ट्रेनिंग (स्टार्ट) कार्यक्रम भारतीय विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी में पेशेवर बनाने में सहयोग प्रदान करने हेतु जारी इसरो के प्रयासों का प्रमुख हिस्सा है। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी में परिचयात्मक स्तर का प्रशिक्षण प्रदान करना है, जिससे उन्हें क्षेत्र के विभिन्न पहलुओं, अनुसंधान के अवसरों और करियर विकल्पों का अवलोकन करने का मौका मिलता है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अंतरिक्ष विज्ञान की क्रॉस-डिसिप्लिनरी प्रकृति पर भी जोर देता है। जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को उनकी योग्यता के इस क्षेत्र में बेहतर प्रयोग की जानकारी मिलेगी। यह कार्यक्रम अंतरिक्ष विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में भविष्य के लिए पेशेवर युवाओं को तैयार करने का कार्य भी करेगा। विवि में इस कार्यक्रम के समंवयक डॉ. जसवंत यादव ने बताया कि यह विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन व मार्गदर्शन व विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव के सहयोग व निर्देशन के परिणामस्वरूप मिली सफलता है, जिसके प्रभाव से विद्यार्थियों को इसरो के इस प्रतिष्ठित प्रयास से जुड़ने का अवसर मिलने जा रहा है। डॉ. यादव ने बताया कि कार्यक्रम के तहत भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान अंवेषण कार्यक्रम और अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान के अवसरों पर आधारित व्याख्यानों का आयोजन होगा।